

मंडोवर री बाडीया ती आवो भेरूजी मतवाला



मंडोवर री बाडीया ती,
आवो भेरूजी मतवाला ।

श्लोक – मंडोवर री पहाडीया ने,
पाल समंदर री तीर,
जोधाणा रा चोवटे,
वो खेले खेतल वीर ।

मंडोवर री बाडीया ती,
आवो भेरूजी मतवाला,
मंडोवर री बाडिया ती,
आवो भेरूजी मतवाला । **bd।**

अरे चैत्र सुदी एकम् ने भेरूजी,
मेलो भरीजे है भारी,
अरे दूर दूर सु आवे जातरू,
आवे बालक नर नारी,
मंडोवर री बाडिया ती,
आवो भेरूजी मतवाला । **bd।**

अरे बारह मनो रा चादू बाकला,
जीमो भेरू मतवाला,
अरे तेरह घोणी तेल चादू,
पियो भेरूजी मतवाला,
मंडोवर री बाडिया ती,
आवो भेरूजी मतवाला । **bd।**

अरे काला गोरा भेरूजी रा,
राता पिला नैन जी,
अरे मनसा पूर्ण करे खेतलो,
है भक्ता रो सेन जी,
मंडोवर री बाडिया ती,
आवो भेरूजी मतवाला । **bd।**



चैत्र सुदी एकम् ने भेरूजी,
मेलो भरीजे है भारी,
अरे भेरूजी रा दर्शन करवा,
आवे दुनिया है सारी,
मंडोवर री बाड़िया ती,
आवो भेरूजी मतवाला। **bd।**

मंडोवर री बाड़िया ती,
आवो भेरूजी मतवाला,
मंडोवर री बाड़िया ती,
आवो भेरूजी मतवाला। **bd।**

गायक – संत कन्हैयालाल जी।

प्रेषक – मनीष सीरवी

9640557818
